देवराय प्रथम और विजयनगर साम्राज्य

स्रोत: द हिंदू

देवराय प्रथम के राज्याभिषेक से संबंधित **15वीं शताब्दी की दुर्लभ ताम्रपत्रों** का बेंगलूरु में अनावरण किया गया, जिसमें **संगम राजवंश** और **विजयनगर साम्राज्य** के बारे में महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक विवरण उपलब्ध हैं।

ताम्रपत्र की मुख्य विशेषताएँ:

- **शक 1328 (1406 ई.)** की तिथि वाले, **देवराय प्रथम (1406-1422)** के शासनकाल के ये ताम्रपत्र **संस्कृत, कन्नड़ और नागरी लिपियों** में अंकित हैं, तथा इनमें विजयनगर साम्राज्य के पारंपरिक **वराह प्रतीक** के स्थान पर **वामन मुद्रा** अंकित है।
  - ताम्रपत्र में चंद्र, यदु, संगम और **हरिहर और बुक्का सहित** उनके पाँच पुत्रों से **संगम राजवंश की वंशावली** का भी पता लगाया गया है।
- **राजा देवराय प्रथम (हरिहर के पुत्र) के राज्याभिषेक** के दौरान जारी किए गए ताम्रपत्र भी **उनके राज्याभिषेक की पहले से असत्यापित तिथि** की पुष्टि करते हैं।
  - इसमें ??????????-???????? नामक **भूमि अनुदान** का भी उल्लेख है।
- **संगम राजवंश:** इस राजवंश ने **विजयनगर साम्राज्य की स्थापना** की और **हम्पी को अपनी राजधानी** बनाकर 1336 से 1485 ई. तक शासन किया।
  - **देवराय प्रथम** राजवंश के एक प्रमुख शासक थे, उनके अलावा **हरिहर प्रथम, हरिहर द्वितीय** और **देवराय द्वितीय** थे।
  - **इतालवी यात्री निकोलो कोंटी ने देवराय प्रथम के दरबार में आया था।**
- **विजयनगर साम्राज्य: हरिहर प्रथम और बुक्का राय प्रथम** द्वारा स्थापित साम्राज्य **(1336-1646) पर 4 राजवंशों - संगम, सलुव, तुलुव** और **अरविदु** का शासन था ।
  - **तालीकोटा के युद्ध (1565)** में **दक्कन सल्तनत** द्वारा **विजयनगर साम्राज्य की निर्णायक हार** हुई, जिसके परिणामस्वरूप उसका पतन हो गया।

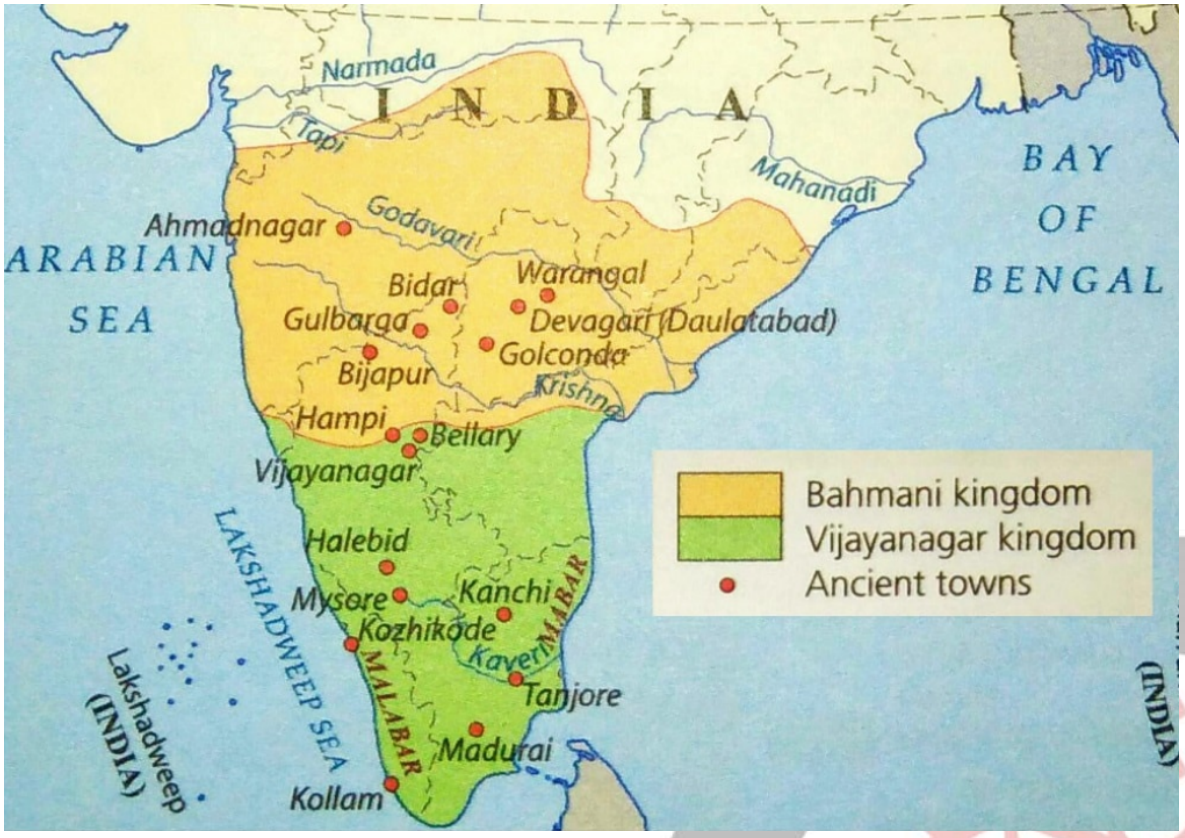

और पढ़ें: वजियनगर साम्राज्य के ताम्रपत्र की खोज, वजियनगर के राजा कृष्णदेवराय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/devaraya-i-and-vijayanagara-empire